पत्रांक –3/एम०–21/2018सा0प्र0 16704/

बिहार सरकार
सामान्य प्रशासन विभाग

प्रेषक,

आमिर सुबहानी
अपर मुख्य सचिव

सेवा में,

सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव
सभी विभागाध्यक्ष
पुलिस महानिदेशक
सभी प्रमंडलीय आयुक्त
सभी जिला पदाधिकारी

पटना, दिनांक 20.12. 2018

विषय– महात्मा गाँधी के सुविचारों को राज्य सरकार के सभी विभाग/कार्यालय के मुख्यद्वार पर प्रदर्शित किये जाने के संदर्भ में।

महाशय,

राज्य के समावेशी विकास तथा सुशासन के संदर्भ में महात्मा गाँधी के सुविचार आज भी प्रासंगिक हैं। राज्य के नागरिकों एवं सरकारी सेवकों के संदर्भ में निम्नांकित दो सुविचार महत्त्वपूर्ण हैं–

(i) **पृथ्वी से हमें जो कुछ मिलता है वह हमारी आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त है लेकिन हमारे लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।**

– महात्मा गाँधी

(ii) **सात सामाजिक पापकर्म**
सिद्धान्त के बिना राजनीति
काम के बिना धन
विवेक के बिना सुख
चरित्र के बिना ज्ञान
नैतिकता के बिना व्यापार
मानवता के बिना विज्ञान
त्याग के बिना पूजा

– महात्मा गाँधी

अतः अनुरोध है कि महात्मा गाँधी के उक्त वर्णित दोनों सुविचारों को राज्य सरकार के सभी विभाग/कार्यालय के मुख्यद्वार पर सुन्दर अक्षरों में प्रदर्शित किया जाय। कृपया अपने अधीनस्थों को इस निदेश का शीघ्र एवं दृढ़ता से अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निदेशित किया जाय।

विश्वासभाजन,

(आमिर सुबहानी) 20.12.18
अपर मुख्य सचिव
सामान्य प्रशासन विभाग।

पृथ्वी से हमें जो कुछ मिलता है वह हमारी आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त है लेकिन हमारे लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

—महात्मा गाँधी

सात सामाजिक पापकर्म

सिद्धान्त के बिना राजनीति

काम के बिना धन

विवेक के बिना सुख

चरित्र के बिना ज्ञान

नैतिकता के बिना व्यापार

मानवता के बिना विज्ञान

त्याग के बिना पूजा

—महात्मा गाँधी